भारत सरकार
रक्षा मंत्रालय
रक्षा उत्पादन विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1434
10 फरवरी, 2023 को उत्तर के लिए

रक्षा निर्यात परियोजना

1434. श्रीमती अपरूपा पोद्दार :

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मेक इन इंडिया योजना के अंतर्गत आरम्भ की गई रक्षा निर्यात परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति क्या है ;

(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के अंतर्गत अन्य देशों के साथ रक्षा उत्पादों के संबंध में वर्ष-वार और देश-वार कितने अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए गए हैं ; और

(ग) उन देशों का ब्यौरा क्या है जिनके साथ भारत ने रक्षा संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ बनाने के लिए गंभीर बातचीत की है ?

उत्तर

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अजय भट्ट)

(क) से (ग) : रक्षा उत्पादन विभाग श्रेणी 6 में कवर होने वाले विशेष रसायनों, अवयवों, सामग्रियों, उपस्करों और तकनीकों (एससीओएमईटी) सूचीबद्ध युद्ध सामग्री मदों के निर्यात के लिए प्राधिकार जारी करता है । डीडीपी द्वारा जारी की गई मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार ऐसे निर्यातों का प्राधिकार प्रदान किया जा रहा है । इन उपस्करों को संपूर्ण विश्व में विभिन्न देशों में निर्यात किया जाता है । सामरिक कारणों की वजह से उन देशों के नाम जिनके साथ अनुबंध हस्ताक्षरित किए गए हैं और वार्ताएं की गई हैं, के नाम प्रकट नहीं किए जा सकते है । पिछले पांच वर्षों के दौरान प्राधिकारों का निर्यात मूल्य निम्नानुसार है :

	2017-18	**2018-19**	**2019-20**	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23 (06.02.23 तक)**
कुल निर्यात मूल्य (करोड़ रु. में)	4682	10746	9116	8435	12815	10642

***